अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज द्वारा संचालित

न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, अहमदनगर

(स्वायत्त)

(सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे से संलग्न)

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

एम.ए. (स्नातकोत्तर)

Master of Arts (M. A.)

पुनर्रचित पाठ्यक्रम

एम.ए. द्वितीय वर्ष - हिंदी (M.A. II - Hindi)

Implemented from

Academic year 2022 -23

Ahmednagar Jilha Maratha Vidya Prasarak Samaj's

New Arts, Commerce and Science College, Ahmednagar (Autonomous)

Board of studies in Hindi

Sr. No.	Name	Designation
1.	Prof. Dr. Hanumant Jagtap	Chairman
2.	Prof. Dr. Ashok Gaikwad	Member
3.	Dr. Sunita Mote	Member
4.	Dr. Dnyandev Kolhe	Member
5.	Miss. Nayana Kadale	Member
6.	Prof. Dr. Anilkumar Singh	Academic Council Nominee
7.	Prof. Dr. Sudhakar Shendge	Academic Council Nominee
8.	Prof. Dr. Sadanand Bhosale	Vice-Chancellor Nominee
9.	Principal Dr. Shahabuddin Shaikh	Alumni
10.	Mr. Sanjay Shukla	Industry Expert

1. Prologue/ Introduction of the programme:

प्रस्तावना :

आज के दौर में समाज के उपयोगितावादी दृष्टिकोन, विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में आए परिवर्तनों के साथ विश्व परिदृश्य में उभरते शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। साहित्य भी मानविकी का एक अनिवार्य अंग है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी साहित्य के अध्ययन-अध्यापन को अनुभवजन्य बनाना समय की माँग बन पड़ी है। प्राचीन काल से ही भारतीय दृष्टिकोन में साहित्य और कविता का सदैव विशिष्ट स्थान रहा है।

आज के भौतिकवादी युग में विज्ञान और तकनीक के दबाब ने संपूर्ण सामाजिक ताने-बाने को न केवल प्रभावित किया बल्कि जीवन और भावना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को एक हद तक नजरअंदाज भी किया। परंतु उपभोक्तावादी समाज यह भूल गया कि भावनात्मक संरक्षण के लिए साहित्य का होना अनिवार्य है। मशीनें भावनाओं का विकल्प नहीं हो सकतीं और न ही इनसे मूल्यों का पोषण संभव है। वास्तव में केवल साहित्य और मानविकी के माध्यम से ही मनुष्य सामाजिक बनता है। यही कारण है कि भारतीय तकनीकी संस्थान व अन्य वैज्ञानिक संस्थाएँ भी प्रतिकात्मक रूप से साहित्य और मानविकी को महत्व दे रहे हैं।

साहित्य का सीधा संबंध मूल्यपरक कलाओं से है और भारतीय परिवेश में मूल्यपरकता ही सर्वोपरि रही है। इसलिए साहित्य की स्थिति सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्ध हो जाती है। जब साहित्य की बात आती है तो उसके सबसे महत्वपूर्ण अवयव भाषा हो अनदेखा नहीं किया जा सकता क्योंकि साहित्य की अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से होती है। विश्व का संपूर्ण ज्ञान भाषा के माध्यम से अभिवर्धन होता हुआ आगे बढ़ रहा है। आज हम सूचना क्रांति के युग में जा पहुँचे हैं, जहाँ सूचना का विस्फोट है किंतु सूचना को ज्ञान में बदलने का काम तकनीक नहीं कर सकती। यह कार्य तो मानविकी, समाजविज्ञान और साहित्य का है। साहित्य जीवन के प्रत्येक अंग का रूपायन करता है।

हिंदी साहित्य लगभग एक हजार वर्षों के सफर को पूरा करता हुआ आगे बढ़ रहा है। पिछली एक शताब्दी में भी इसने अपना अत्यधिक विस्तार किया है। गद्य तथा पद्य सहित अन्य कथेतर विधाओं ने गुणवत्ता के आधार पर अपनी वैश्विक उपस्थिति दर्ज कराई है। भक्तिकालीन साहित्य तो न केवल भारतवर्ष बल्कि विश्व और मानव मात्र की धरोहर बन पड़ा है।

वर्तमान समय की यह मांग है कि विद्यार्थी हिंदी साहित्य का अध्ययन कर अपने ज्ञान को बढ़ाएँ और मौलिक लेखन के कौशल को विकसित करते हुए साहित्य लेखन के क्षेत्र में योगदान दें। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, भारतीय सिविल सेवा और शोध के क्षेत्र में कदम बढाते हुए समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और रोजगारपरक दृष्टिकोन को लेकर स्नातकोत्तर स्तर का पाठ्यक्रम गठित करने का प्रयास किया गया है। अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए मानदंडों के आधार पर निर्माण किया गया है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को नवाचार की दृष्टि से लागू करने का प्रयास किया गया है जो निश्चित ही समाज के साथ हिंदी के अध्येता के लिए लाभकारी होगा।

2. Programme outcomes (Pos) (M.A. Hindi)

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :

स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम संबद्ध अधिगम परिणाम निम्न प्रकार से हैं -

1. हिंदी साहित्य और भाषा के संबंध में विद्यार्थियों को व्यवस्थित, तर्कसंगत ज्ञान कराना। जिससे उन्हें साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
2. हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि बढ़ाना तथा उनमें साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास कराना।
3. क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक परिदृश्य के विशाल नेटवर्क के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित कराना।
4. विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के अध्ययन के प्रति उत्सुकता और जिज्ञासा उत्पन्न करने हेतु एक समग्र दृष्टि और सुव्यवस्थित दृष्टिकोन का विकास कराना।
5. विद्यार्थियों के प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास कराना।
6. विद्यार्थियों में लेखन, वाचन और श्रवण के साथ-साथ कल्पना शक्ति का विकास कराना, जिससे उनके समग्र व्यक्तित्व में निखार के साथ विकास हो सके।
7. विद्यार्थी की सर्जनात्मक शक्ति का विकास कराना ताकि वे अपने लेखन कौशल का परिचय देते हुए रचनात्मक कृतियों का निर्माण तथा कलात्मक कौशल का प्रदर्शन कर सकें।
8. हिंदी साहित्य की उत्कृष्ट और कालजयी रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों के मानसिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक पक्ष को सुदृढ़ करना तथा भारतीय जीवन पद्धति और देशप्रेम की भावना को विकसित करना।
9. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना तथा रोजगारपरक हिंदी भाषा का ज्ञान कराना।
10. हिंदी भाषा के व्याकरणबद्ध रूप का परिचय कराना ताकि विद्यार्थियों में शुद्ध लेखन और वाचन की क्षमता का विकास हो सके।

3. Programme Structure and Course Titles :

Sr. No.	Class	Semester	Course Code	Course Title	Credits
1.	M.A. I	I	MA-HIN111T	मध्ययुगीन काव्य Madhyayugin Kavya	04
2.	M.A. I	I	MA-HIN112T	कथा साहित्य Katha Sahitya	04
3.	M.A. I	I	MA-HIN113T	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiy Kavyashastra	04
4.	M.A. I	I	MA-HIN114T (A) MA-HIN114T (B)	वैकल्पिक (Optional) : अ) हिंदी पत्रकारिता A) Hindi Patrakarita OR ब) नाटककार मोहन राकेश B) Natakkar Mohan Rakesh	04
5.	M.A. I	I	MA-HIN115T	GE-01 - भारतीय आर्यभाषाएँ और हिंदी Bhartiya Aryabhashayen Aur Hindi	02
6.	M.A. I	II	MA-HIN211T	कथेतर गद्य साहित्य Kathetar Gadya Sahitya	04
7.	M.A. I	II	MA-HIN212T	शोध प्रविधि Shodh Pravidhi	04
8.	M.A. I	II	MA-HIN213T	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra	04
9.	M.A. I	II	MA-HIN214T (A) MA-HIN214T (B)	वैकल्पिक (Optional) : अ) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र A) Shaili Vigyan Evam Saundaryashastra OR ब) हिंदी उपन्यास साहित्य B) Hindi Upanyas Sahitya	04
10.	M.A. I	II	MA-HIN215T	GE-02 - देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण Devnagri Lipi : Visheshtayen Aur Mankikaran	02
11.	M.A.II	III	MA-HIN311T	आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य) Adhunik Kavya (Adarshvadi, Chhayavadi Tatha Anya kavya)	04
12.	M.A.II	III	MA-HIN312T	भाषा विज्ञान Bhasha Vigyan	04
13.	M.A.II	III	MA-HIN313T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) Hindi Sahitya Ka Itihas	04

				(Adikal, Bhaktikal, Ritikal)	
14.	M.A.II	III	MA-HIN314T (A) MA-HIN314T (B)	वैकल्पिक (Optional) : अ) हिंदी आलोचना A) Hindi Alochana OR ब) संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप B) Sanchar Madhyam : Siddhant Aur Swarup	04
15.	M.A.II	III	MA-HIN315T	GE-03 - शोध पद्धति और प्रक्रिया Shodh Paddhati Aur Prakriya	02
16.	M.A.II	IV	MA-HIN411T	आधुनिक कविता Adhunik Kavita	04
17.	M.A.II	IV	MA-HIN412T	हिंदी भाषा का विकास Hindi Bhasha Ka Vikas	04
18.	M.A.II	IV	MA-HIN413T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)	04
19.	M.A.II	IV	MA-HIN414T (A) MA-HIN414T (B)	वैकल्पिक (Optional) : अ) भारतीय लोकसाहित्य A) Bhartiya Loksahitya OR ब) भारतीय साहित्य B) Bhartiya Sahitya	04
20.	M.A.II	IV	MA-HIN415T	GE-04 - परियोजना Project	02

Ahmednagar Jilha Maratha Vidya Prasarak Samaj's

New Arts, Commerce and Science College, Ahmednagar (Autonomous)

Syllabus of M. A. Hindi

under

Faculty of Arts and Humanities

Semester - III	**Paper - 9**
Course Code: MA-HIN311T	**Title of the Course - Adhunik Kavya (Adarshvadi, Chhayavadi Tatha Anya Kavya)**
Credits: 04	**Total Lectures: 60 Hrs**

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 9. आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य)

(MA-HIN311T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. काव्य मूल्यांकन-दृष्टि विकसित करना ।
4. काव्य-संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन से छात्रों को अवगत करना।
5. छात्रों में काव्य-सर्जन कला का विकास करना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	साकेत (नवम् सर्ग) - मैथिलीशरण गुप्त संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15
इकाई - II	कामायनी (लज्जा सर्ग) - जयशंकर प्रसाद संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन)	15
इकाई - III	1. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ - महादेवी वर्मा 2. पहाड़ी बच्चा - निर्मल पुतुल 3. कूड़ा बीनते बच्चे - अनामिका 4. जिंदगी का नमक - निर्मला गर्ग	15

	5. अंधेरे में बुद्ध - गगन गिल उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	
इकाई - IV	1. बात बोलेगी - शमशेर बहादुर सिंह 2. एक पीली शाम - शमशेर बहादुर सिंह 3. भारत की आरती - शमशेर बहादुर सिंह 4. रोटी और संसद - धूमिल 5. मोचीराम - धूमिल उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. काव्य प्रसून - संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कामायनी : एक पुनर्विचार - ग. मा. मुक्तिबोध
4. साकेत - मैथिलीशरण गुप्त
5. कामायनी - जयशंकर प्रसाद
6. नये कविता के प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह
7. अनामिका का काव्य : आधुनिक स्त्री विमर्श - मंजु रस्तोगी
8. साकेत में पुनर्जागरण का आंदोलन - डॉ. जालिंदर इंगले ।

Semester - III	Paper - 10
Course Code: MA-HIN312T	Title of the Course - Bhasha Vigyan
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 10. भाषा विज्ञान (MA-HIN312T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ।	15
इकाई - II	स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन।	15
इकाई - III	रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य। पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।	15
इकाई - IV	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण ।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान - राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान - डॉ. रामानंद तिवारी
4. भाषा विज्ञान - सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
6. भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. हिंदी भाषा संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
10. भाषिकी और संस्कृत भाषा - डॉ. देवीदत्त शर्मा
11. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
12. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी - राजेंद्र प्रसाद सिंह
13. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
14. भाषाशास्त्र के सूत्रधार - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - लक्ष्मीकांत पाण्डेय / प्रमिला अवस्थी
16. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - मुकेश अग्रवाल
17. भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि - राम किशोर शर्मा
18. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा / दीप्ति शर्मा
19. अद्यतन भाषा विज्ञान - पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
20. हिंदी भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम
21. सामान्य भाषिकी - आर. एच. रोबिन्स

Semester - III	Paper - 11
Course Code: MA-HIN313T	Title of the Course - Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal, Bhaktikal, Ritikal)
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 11. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) (MA-HIN313T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और नामकरण।	15
इकाई - II	आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य और नाथ साहित्य। अमीर खुसरो की हिंदी कविता।	15
इकाई - III	भक्ति आंदोलन का स्वरूप, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य। निर्गुण धारा के कवि : कबीर, दादू, नामदेव, जायसी। सगुण धारा के कवि : सूरदास, मीराबाई, रसखान, तुलसीदास।	15
इकाई - IV	रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य।	15

बिहारी, केशव, घनानंद, देव, भूषण, बोधा, आलम, ठाकुर।

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के

Semester - III	Paper - 12
Course Code: MA-HIN314T (A)	Title of the Course - Optional A) Hindi Alochana
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 12. वैकल्पिक अ) हिंदी आलोचना (MA-HIN314T- A)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. आलोचना के स्वरूप एवं विविध प्रकारों से अवगत कराना।
2 हिंदी के प्रमुख आलोचकों के आलोचनात्मक प्रतीमानों का परिचय देना।
3. साहित्यालोचन एवं व्यावहारिक समीक्षा दृष्टि विकसित करना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	आलोचना : स्वरूप एवं उद्देश्य। आलोचक के गुण। आलोचना और अनुसंधान।	15
इकाई - II	आलोचना दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ। मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक, शैलीवैज्ञानिक, प्रकृतिवादी।	15
इकाई - III	हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास भारतेंदुकालीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, आ. शुक्ल युगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना।	15
इकाई - IV	हिंदी के प्रमुख आलोचक आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. नंददुलारे वाजपेयी, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. समीक्षा शास्त्र - डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
3. आलोचना : प्रकृति और परिवेश - डॉ. तारकानाथ बाली
4. आ. शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
5. इतिहास और आलोचना - डॉ. नामवर सिंह
6. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
7. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
8. समकालीन आलोचक और आलोचना - रामबक्ष
9. हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल
10. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना - डॉ. माधव सोनटक्के
11. हिंदी आलोचना की पहचान - डॉ. राजमल बोरा
12. हिंदी आलोचना का बदलता परिप्रेक्ष्य - सं. डॉ. माधव सोनटक्के

Semester - III	Paper - 12
Course Code: MA-HIN314T (B)	Title of the Course - Optional B) Sanchar Madhyam : Siddhant Aur Swarup
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 12. वैकल्पिक ब) संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप

(MA-HIN314T- B)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण की अवधारणाओं का परिचय देना।
2 संचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप का परिचय देना।
3. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का परिचय देना।
4. संचार माध्यम कौशल विकसित करना ।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा और स्वरूप।** संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप। संचार के संघटक तत्व। संचार माध्यमों से लाभ-हानि ।	15
इकाई - II	**संचार माध्यम के प्रकार :** 1) परंपरागत 2) मौखिक, 3) लिखित, 4) आधुनिक ।	15
इकाई - III	**आधुनिक संचार माध्यम :** 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) चलचित्र, 4) विद्युतीय 5) बहुमाध्यम 6) हाइपर मीडिया संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति।	15
इकाई - IV	**संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका :** 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण, 3) जन प्रबोधन, 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान, 6) जन रंजन। वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. जनसंचार के विविध आयाम - ब्रजमोहन गुप्त
2. जनमाध्यम और मासकल्चर - जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग : 1. 2) - प्रवीण दीक्षित
4. रेडियो और दूरदर्शन और हिंदी - डॉ. हरिमोहन
5. जनमाध्यम संप्रेषण और विकास - देवेंद्र इस्सर
6. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण - डॉ. किशोर वासवानी
7. जनसंचार - राधेश्याम शर्मा
8. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग - विष्णु राजगढ़िया
9. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग - डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल
10. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी
11. आधुनिक पत्रकारिता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया - डॉ. जालिंदर इंगले।

Semester - III	Paper - GE-03
Course Code: MA-HIN315T	Title of the Course - Shodh Paddhati Aur Prakriya
Credits: 02	Total Lectures: 30 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : GE-03 - शोध पद्धति और प्रक्रिया (MA-HIN315T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न नाम और उनके औचित्य का परिचय देना।
2. शोध की विभिन्न परिभाषाएँ एवं शोध के उद्देश्य का परिचय देना।
3. शोध की विवेचन पद्धतियों का परिचय देना।
4. शोध प्रक्रिया एवं शोध प्रबंध लेखन प्रणाली का परिचय देना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	1. शोध का अर्थगत स्वरूप - शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न नाम और उनका औचित्य 2. शोध की विभिन्न परिभाषाएँ एवं उनका विश्लेषण 3. शोध का उद्देश्य 4. शोध की विवेचन पद्धतियाँ - वस्तुनिष्ठ अध्ययन, तर्क पद्धति, प्रमाणबद्धता 5. शोधकर्ता की योग्यता।	15
इकाई - II	1. शोध प्रक्रिया - विषय चयन, सामग्री संकलन के मूल स्रोत, संकलन के सहायक स्रोत, हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता 2. शोध प्रबंध लेखन प्रणाली - शोध प्रबंध - शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ, संदर्भ सूची, MLA पद्धति, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार, टंकण, यूनिकोड परिचय।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत - शैलकुमारी

2. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा

3. अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक

4. अनुसंधान प्रविधि - सुरेशचंद्र निर्मल

5. अनुसंधान के तत्व - विश्वनाथप्रसाद मिश्र

6. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा

Semester - IV	Paper - 13
Course Code: MA-HIN411T	Title of the Course - Adhunik Kavita
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 13. आधुनिक कविता (MA-HIN411T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य-अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. सर्जनात्मक कौशल से अवगत करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना ।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	1. बादल को घिरते देखा - नागार्जुन 2. शासन की बंदूक - नागार्जुन 3. मेरी आभा है इसी में - नागार्जुन 4. जन जन का चेहरा एक - मुक्तिबोध 5. भूल गलती - मुक्तिबोध उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई - II	1. उड़ चल हारिल - अज्ञेय 2. हीरोसिमा - अज्ञेय 3. कनुप्रिया अंश - धर्मवीर भारती 4. ठंडा लोहा - धर्मवीर भारती 5. क्योंकि सपना है अभी भी - धर्मवीर भारती उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई - III	1. आदिवासी स्त्रियाँ - निर्मला पुतुल 2. बूढी पृथ्वी का दुख - निर्मला पुतुल 3. दरवाजा - अनामिका 4. जनम ले रहा है नया पुरुष - अनामिका	15

	5. नमक - अनामिका उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	
इकाई - IV	1. हत्यारे उतर चुके हैं क्षीरसागर में - लीलाधर मंडलोई 2. जानती है सिर्फ नदी - लीलाधर मंडलोई 3. गूंगा नहीं था मैं - जयप्रकाश कर्दम 4. बेमानी है आजादी - जयप्रकाश कर्दम 5. शुक्र है तू नहीं है - जयप्रकाश कर्दम उक्त रचनाओं का संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. 'काव्य सारंग' - संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Semester - IV	Paper - 14
Course Code: MA-HIN412T	Title of the Course - Hindi Bhasha Ka Vikas
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 14. हिंदी भाषा का विकास (MA-HIN412T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना।
3. हिंदी के स्वनिम व्यवस्था का परिचय देना।
4. हिंदी की रूप रचना से अवगत अवगत करना।
5. हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत। मध्यकालीन आर्य भाषाएँ : पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी।	15
इकाई - II	आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढ़वाली, मराठी।	15
इकाई - III	शब्द भेद एवं उनका वर्गीकरणा उत्पत्ति / स्रोत के आधार पर। तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर। रचना के आधार पर अर्थ के आधार पर प्रयोग या रूप के आधार पर हिंदी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास।	15

इकाई - IV	हिंदी की रूप रचना संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. भाषाविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
3. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. हिंदी भाषा संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
6. भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि - राम किशोर शर्मा
7. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
8. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी - राजेंद्र प्रसाद सिंह
9 भाषाविज्ञान सैद्धांतिक चिंतन - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
10. भाषाशास्त्र के सूत्रधार - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
11. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा - लक्ष्मीकांत पाण्डेय / प्रमिला अवस्थी
12. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा - मुकेश अग्रवाल

Semester - IV	Paper - 15
Course Code: MA-HIN413T	Title of the Course - Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 15. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (MA-HIN413T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना।
2. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।
3. ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास : भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य : 1957 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण भारतेंदु युग, 19 वीं शताब्दी की हिंदी पत्रकारिता।	15
इकाई - II	द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और स्वरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।	15
इकाई - III	छायावाद, प्रगतिवाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ छायावाद के प्रमुख कवि। प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि, प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ।	15

इकाई - IV	प्रयोगवाद, नई कविता : प्रयोगवाद के प्रमुख कवि, प्रयोगवाद की विशेषताएँ नई कविता की विशेषताएँ नई कविता के प्रमुख कवि।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी -
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास - डॉ. राजेंद्र मिश्र

Semester - IV	Paper - 16
Course Code: MA-HIN414T (A)	Title of the Course - Optional A) Bhartiya Loksahitya
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 16. वैकल्पिक अ) भारतीय लोकसाहित्य (MA-HIN414T- A)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. लोकसाहित्य के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से परिचित कराना।
3. लोक साहित्य की व्यापकता से परिचित कराना।
4. महाराष्ट्र के लोक साहित्य का परिचय देना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ :** लोक संस्कृति और साहित्य, भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास।	15
इकाई - II	**लोक-साहित्य संकलन :** उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, संकलन कर्ता की समस्याएँ तथा समाधान।	15
इकाई - III	**लोक-गीत :** संस्कार, व्रत, श्रम, ऋतु, जाति। **लोकनाट्य :** रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, जात्रा। **महाराष्ट्र का लोकनाट्य :** तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोतराज, सुंबरन, वासुदेव, भारुड, लळित, दशावतार, पोवाडा, कीर्तन।	15
इकाई - IV	**लोक-कथा :** व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा बोध कथा, कथानक रूढ़ियाँ। **लोक संगीत :** लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें। **लोकभाषा :** लोक सुभाषित, मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका - पं. रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला - कृ. ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति दिनेश्वर प्रसाद
6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज़या
7. लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येंद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य - सं. वीरेंद्रसिंह यादव

Semester - IV	Paper - 16
Course Code: MA-HIN414T (B)	Title of the Course - Optional B) Bhartiya Sahitya
Credits: 04	Total Lectures: 60 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 16. वैकल्पिक ब) भारतीय साहित्य (MA-HIN414T- B)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1 भारतीय साहित्य से छात्रों को अवगत कराना।

2. भारतीय साहित्य का स्वरूप समझाना।

3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ लाना।

4 भारतीयता का समाजशास्त्र समझाना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीय साहित्य का स्वरूप भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।	15
इकाई - II	भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, भारतीयता का समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।	15
इकाई - III	कन्नड साहित्य का इतिहास 1) पंपपूर्व युग 2) पंप युग 3) बसवा युग 4) कुमाराव्यास युग 5) आधुनिक युग।	15

इकाई - IV	रसीदी तिकट - अमृता प्रीतम रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. रसीदी तिकट - अमृता प्रीतम, पराग प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय साहित्य - डॉ. छबिला त्रिपाठी
3. भारतीय साहित्य - डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह।

Semester - IV	Paper - GE-04
Course Code: MA-HIN415T	Title of the Course - Project
Credits: 02	Total Lectures: 30 Hrs

एम.ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष (M.A. II)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : GE-04 - परियोजना (MA-HIN415T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. नये शोध-प्रवाहों से परिचय कराना।
4. शोध प्रक्रिया एवं शोध प्रबंध लेखन कौशल विकसित करना।

Syllabus (पाठ्यक्रम)

इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत छात्रों को दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर शोध परियोजना तैयार करनी होगी।

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत - शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि - सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व - विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा